

EXCLUSIVE

NEWS ANALYSIS BY

Mr. Shridhant Joshi



कौटिल्य एकेडमी



उर्जित ने कार्यकाल पूरा होने से 8 महीने पहले इस्तीफा दिया।

जनवरी 2013 में डिप्टी गवर्नर बनने से पहले उर्जित ने भारत की नागरिकता ली थी

उर्जित पटेल नैरोबी की बड़ी बिजनेस फैमिली से हैं। उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, ऑक्सफोर्ड और येल यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की। 2013 से पहले वह केन्या के नागरिक थे। जनवरी 2013 में आरबीआई डिप्टी गवर्नर बनाए जाने से पहले उन्होंने भारत की नागरिकता ली थी।

पटेल से पहले चार गवर्नर दे चुके हैं इस्तीफा

1. बेनेगल रामाराव- 1957
2. के.आर. पुरी- 1977
3. आर.एन. मल्होत्रा- 1990
4. एस. वेक्टरमणन - 1992

सुप्रीम कोर्ट, सीबीआई और अब आरबीआई...

केंद्र सरकार से सार्वजनिक झगड़े के बाद आरबीआई गवर्नर उर्जित पटेल ने निजी कारणों से इस्तीफा दिया

आरबीआई गवर्नर ने दिया इस्तीफा, सरकार रिजर्व में



पूर्व गवर्नर रघुराम राजन बोले- सभी भारतीयों को चिंता करनी चाहिए, क्योंकि विकास के लिए संस्थानों की मजबूती जरूरी है। हमें देखना होगा, ऐसा क्या हुआ कि उर्जित को इस्तीफा देना पड़ा।

26 साल में आरबीआई गवर्नर के तौर पर उर्जित का कार्यकाल सबसे छोटा रहा

भास्कर न्यूज | मुंबई

सरकार से बढ़ते तनाव के बीच रिजर्व बैंक के गवर्नर उर्जित पटेल ने सोमवार को इस्तीफा दे दिया। हालांकि, फैसले की वजह उन्होंने निजी बताई। पूर्व गवर्नर रघुराम राजन को दूसरा कार्यकाल नहीं देकर मोदी सरकार ने 5 सितंबर, 2016 को उर्जित को गवर्नर नियुक्त किया था। 24वें गवर्नर के तौर पर पद संभालने वाले उर्जित का कार्यकाल 1992 के बाद सबसे छोटा है। उनका तीन साल का कार्यकाल पूरा होने में आठ महीने बाकी थे। गवर्नर बनने से पहले उर्जित डिप्टी गवर्नर थे। राजन के कार्यकाल में वह आर्थिक नीति विभाग देखते थे। पिछले कई हफ्तों से तनाव की खबरों के बीच पटेल के इस्तीफे की आशंका जताई जा रही थी। इसी विवाद को खत्म करने के लिए कुछ दिन पहले सरकार और आरबीआई के अफसरों के बीच 9 घंटे की बैठक भी हुई थी। -पढ़ें पेज 11

निजी कारणों से होते गए बड़े इस्तीफे...



उर्जित पटेल

निजी कारणों से इस्तीफा दिया। वहाँ तक रिजर्व बैंक में विभिन्न जिम्मेदारियों के साथ सेवा का मौका मिला, यह मेरे लिए सम्मान की बात है। - उर्जित पटेल

डॉ. पटेल की सेवाओं का सरकार सम्मान करती है। उनके साथ काम करने का अनुभव अच्छा रहा। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूँ। - अरुण जेटली

प्रधानमंत्री मोदी बोले- उर्जित पटेल की काफी कमी छलेगी। उनके कार्यकाल में रिजर्व बैंक में वित्तीय स्थिरता आई है।

विश्वनाथन बन सकते हैं अंतरिम प्रमुख डिप्टी गवर्नर एनएस विश्वनाथन को आरबीआई का अंतरिम प्रमुख बनाया जा सकता है। ऐसा हुआ तो इस शुक्रवार को वे आरबीआई की बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

इस इस्तीफे की 5 सबसे बड़ी वजह

■ **रिजर्व बैंक का फंड:** आरबीआई के रिजर्व में 9.6 लाख करोड़ रु. हैं। यह आरबीआई के एसेट का 26.5% है। ग्लोबल औसत 16% है। सरकार चाहती है आरबीआई भी ग्लोबल औसत के बराबर रिजर्व रखे। इससे सरकार को 3.5 लाख करोड़ रु. मिल जाएंगे। आरबीआई इसे स्वायत्तता में दखल बता रहा है।

■ **सरकारी बैंकों पर अंकुश** ज्यादा एनपीए के कारण रिजर्व बैंक ने 21 में से 11 सरकारी बैंकों को पीसीए में रखा है। ये बैंक बड़े कर्ज नहीं दे सकते, नई ब्रांच नहीं खोल सकते और न ही डिविडेंड दे सकते हैं। सरकार इसमें ढील चाहती है, ताकि 4-5 बैंक पीसीए से बाहर आ जाएं।

■ **पेमेंट रेगुलेटर:** कई मंत्रालयों के सचिवों की समिति ने अलग पेमेंट रेगुलेटर की सिफारिश की है। आरबीआई का कहना है कि पेमेंट वित्तीय सिस्टम का हिस्सा है। यह सिस्टम आरबीआई के पास है तो अलग रेगुलेटर कैसे हो सकता है। किसी भी देश में ऐसा नहीं है।

■ **एनपीए के नए नियम** आरबीआई ने 12 फरवरी को नियम संशोधित किए कि कर्ज लौटाने में एक दिन की भी देरी हुई तो उसे डिफॉल्ट मान बैंक रिजॉल्यूशन प्रक्रिया शुरू कर दें। इंडस्ट्री और बैंकों के दबाव में सरकार ने हिलाई मांगी, लेकिन आरबीआई ने मना कर दिया।

■ **गुरुमूर्ति के बाद विवाद** सरकार ने एस. गुरुमूर्ति को इसी साल अगस्त में डायरेक्टर बनाया, फिर बैंकिंग एक्सपर्ट नचिकेत मोर को हटाकर आरबीआई का बोर्ड मेंबर बनाया था। बिना पूर्व सूचना के नचिकेत को हटाने पर आरबीआई मैनेजमेंट नाखुश था।

इस इस्तीफे की 5 सबसे बड़ी वजह

■ **रिजर्व बैंक का फंड:** आरबीआई के रिजर्व में 9.6 लाख करोड़ रु. हैं। यह आरबीआई के एसेट का 26.5% है। ग्लोबल औसत 16% है। सरकार चाहती है आरबीआई भी ग्लोबल औसत के बराबर रिजर्व रखे। इससे सरकार को 3.5 लाख करोड़ रु. मिल जाएंगे। आरबीआई इसे स्वायत्तता में दखल बता रहा है।

■ सरकारी बैंकों पर अंकुश

ज्यादा एनपीए के कारण रिजर्व बैंक ने 21 में से 11 सरकारी बैंकों को पीसीए में रखा है। ये बैंक बड़े कर्ज नहीं दे सकते, नई ब्रांच नहीं खोल सकते और न ही डिविडेंड दे सकते हैं। सरकार इसमें ढील चाहती है, ताकि 4-5 बैंक पीसीए से बाहर आ जाएं।

■ एनपीए के नए नियम

आरबीआई ने 12 फरवरी को नियम संशोधित किए कि कर्ज लौटाने में एक दिन की भी देरी हुई तो उसे डिफॉल्ट मान बैंक रिजॉल्यूशन प्रक्रिया शुरू कर दें। इंडस्ट्री और बैंकों के दबाव में सरकार ने ढिलाई मांगी, लेकिन आरबीआई ने मना कर दिया।

■ **पेमेंट रेगुलेटर:** कई मंत्रालयों के सचिवों की समिति ने अलग पेमेंट रेगुलेटर की सिफारिश की है। आरबीआई का कहना है कि पेमेंट वित्तीय सिस्टम का हिस्सा है। यह सिस्टम आरबीआई के पास है तो अलग रेगुलेटर कैसे हो सकता है। किसी भी देश में ऐसा नहीं है।

■ गुरुमूर्ति के बाद विवाद

सरकार ने एस. गुरुमूर्ति को इसी साल अगस्त में डायरेक्टर बनाया, फिर बैंकिंग एक्सपर्ट नचिकेत मोर को हटाकर आरबीआई का बोर्ड मेंबर बनाया था। बिना पूर्व सूचना के नचिकेत को हटाने पर आरबीआई मैनेजमेंट नाखुश था।

उर्जित के कार्यकाल में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा, महंगाई घटी

मानक	2016	2018
विदेशी मुद्रा भंडार	370	393
रेपो रेट	6.50%	6.50%
जीडीपी ग्रोथ रेट	7.4%	8.2%
खुदरा महंगाई दर	4.4%	3.8%
एनपीए	9.6%	12.1%

(विदेशी मुद्रा भंडार अरब डॉलर में)



सबके लिए चौंकाने वाली

14 दिसंबर को आरबीआई बोर्ड की मीटिंग से पहले उर्जित पटेल का इस्तीफा

भास्कर न्यूज़ | नई दिल्ली

रिजर्व बैंक के गवर्नर पद से डॉ. उर्जित पटेल का इस्तीफा देना सरकार और सरकार से बाहर, सबके लिए चौंकाने वाला है। उनके इस्तीफे की आशंका तब से जताई जा रही थी जब सरकार और आरबीआई में मतभेद सामने आए थे। इस आशंका को तब और बल मिला जब सरकार ने पहली बार आरबीआई एक्ट की धारा 7 का इस्तेमाल करते हुए कुछ मुद्दों पर केंद्रीय बैंक से विचार करने को कहा। 19 नवंबर को आरबीआई की 9 घंटे चली बोर्ड बैठक में दोनों पक्षों ने नरमी के संकेत दिए थे। इसके बाद अचानक पटेल का इस्तीफा देना सबको चौंकाने वाला है। वित्त मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि इस्तीफे की जानकारी सरकार को नहीं दी थी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा कि इससे अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा। राजनीतिक लाभ के लिए संस्थानों को खत्म करना गलत है। इन संस्थानों को बनाने में काफी समय और परिश्रम लगता है।

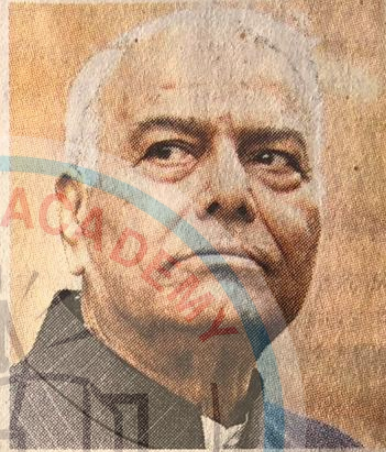
आरबीआई बोर्ड की अगली बैठक 14 दिसंबर को होनी है। आईसीआईसीआई सिव्युरिटीज के रिसर्च हेड ए. प्रसन्ना के मुताबिक बोर्ड मीटिंग से ठीक पहले इस्तीफा देना बताता है कि अब भी सरकार और रिजर्व बैंक के बीच काफी मतभेद हैं। इस्तीफे से रिजर्व बैंक की स्वायत्तता का मुद्दा भी फिर गर्म हो गया है। लंदन स्थित पाइनब्रिज इन्वेस्टमेंट्स के फंड मैनेजर एंडर्स फार्जमैन के अनुसार इस्तीफा सरकार की दखल के कारण हुआ है तो आगे रिजर्व बैंक की विश्वसनीयता पर सवाल उठेंगे। इसे ठीक करने के लिए सरकार को तत्काल कदम उठाना पड़ेगा। बीएनपी परिबा एएमसी के अनुसार आगे रिजर्व बैंक की विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करेगी कि सरकार किसे नया गवर्नर बनाती है।

उर्जित के इस्तीफे से भारत की छवि गिरेगी, निवेश भी घटेगा

यशवंत सिन्हा, पूर्व वित्त मंत्री

आरबीआई गवर्नर का इस्तीफा सरकार के लिए बहुत ही बुरी खबर है, क्योंकि यह उनकी पसंद का गवर्नर था। गवर्नर ने नोटबंदी पर सरकार की हर बात मान ली थी। किसी भी देश में सेंट्रल बैंक की साख बहुत महत्वपूर्ण होती है। दुनिया के बड़े मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व वित्त मंत्री करते हैं। यदि किसी वजह से वे शामिल नहीं हो पाते तो वह मौका आरबीआई गवर्नर को मिलता है। इस घटना से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हमारी छवि को बहुत धक्का लगेगा। विदेशी निवेशकों पर इसका बेहद विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

सरकार और आरबीआई के बीच विवाद रिजर्व फंड को लेकर था। सरकार चाहती है कि रिजर्व फंड का बड़ा हिस्सा सरकार को मिल जाए। सरकार ने नोटबंदी के जरिए भी यही प्रयास किया था। उसे अंदाजा था कि 4 से 5 लाख करोड़ रुपए का जो कालाधन बाजार में है, वह उसे बोनस के रूप में मिल जाएगा। पर ऐसा हुआ नहीं। सरकार की आर्थिक स्थिति खराब होती जा रही है। राज्यों की हिस्सेदारी जारी नहीं की जा रही है। एससी-एसटी छात्रों को वजीफा का



भुगतान नहीं हो रहा है। कच्चा तेल फिर महंगा हो रहा है। रुपए की कीमत और स्टॉक मार्केट में गिरावट आ रही है। इन्हीं सब कारणों से सरकार लगातार आरबीआई पर दबाव बना रही थी। इसी के चलते मतभेद उभरे। ऐसा नहीं कि पहले ऐसा नहीं हुआ। पहले भी मतभेद के चलते आरबीआई गवर्नर को पद छोड़ना पड़ा था। लेकिन तब आर्थिक स्थिति इतनी जटिल नहीं थी। पहले अर्थव्यवस्था सीधे तौर पर दुनिया से इतनी जुड़ी नहीं थी। इस कदम से देश की भारी बदनामी होगी। जल्द ही सरकार को नया गवर्नर नियुक्त करना पड़ेगा। आरबीआई का जो भी मुखिया हो, उसे सरकार की नाजायज मांगों के सामने झुकने की जरूरत नहीं है।'



पटेल के गवर्नर बनते ही सरकार के साथ तनाव शुरू हो गया था

मौजूदा सरकार के साथ पटेल के रिश्ते शुरू से ही तनावपूर्ण रहे हैं। वह सितंबर 2016 में गवर्नर बनाए गए थे। इसके दो महीने बाद ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 नवंबर 2016 को नोटबंदी की घोषणा कर दी। इस फैसले से अचानक 86% करेंसी चलन से बाहर हो गई। पटेल से पहले गवर्नर रहे रघुराम राजन ने नोटबंदी का विरोध किया था। पटेल इस मुद्दे पर चुप रहे। तब उनकी आलोचना भी हुई थी। हालांकि बाद में खबरें आईं कि आरबीआई पर्याप्त संख्या में नई करेंसी छपने के बाद नोटबंदी के पक्ष में था। नोटबंदी के प्रयोग के बाद पटेल ने बैंकों को मजबूत बनाने पर फोकस किया। एनपीए ज्यादा होने के कारण उन्होंने 21 में से 11 सरकारी बैंकों को तत्काल सुधार (पीसीए) की श्रेणी में डाल दिया। सरकार ने पहले तो इसका समर्थन किया, लेकिन बाद में वह ढील की बात कहने लगी। रिजर्व बैंक ढील देने के खिलाफ है।

बैंकों के डिफॉल्टर्स के दबाव के कारण उर्जित ने दिया इस्तीफा?

उर्जित पटेल के इस्तीफे की एक वजह बैंकों का कर्ज लौटाने में डिफॉल्ट करने वालों का दबाव भी माना जा रहा है। आरबीआई ने 12 फरवरी को एनपीए के नए नियम जारी किए थे। इसके मुताबिक कर्ज लौटाने में एक दिन की भी देरी होने पर बैंकों को कंपनी के खिलाफ रिजॉल्यूशन प्रक्रिया शुरू करनी थी। बिजली और शुगर मिल एसोसिएशन ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जहां उन्हें स्टे मिल गया था। पटेल दिवालिया कार्रवाई के पक्ष में थे, जबकि सरकार ऐसा नहीं चाहती है।

धारा 7 भी वजह

सरकार ने सितंबर में पहली बार आरबीआइ एक्ट की धारा 7 का इस्तेमाल किया था।

धारा 7 के तहत सरकार आरबीआइ से मशविरा कर सकती है और उसे निर्देश भी दे सकती है। तीन पत्र भी भेजे थे।

Why Urjit Quit Now

- No progress on the decisions taken in the Nov 19 board meeting
- These included framework for weak banks and level of reserves with RBI
- Coming Dec 14 meeting would have demanded action on the decisions and a review of RBI's governance structure
- Board's status had changed from an advisory to an operational one

Who Will Be The Interim Governor?

- In the absence of the governor, the seniormost deputy governor officiates. That will make N S Vishwanathan the acting head of RBI

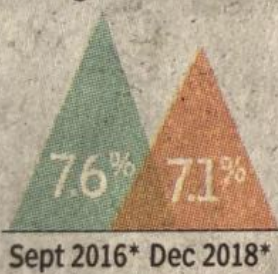
Who Could Be The Next Guv?

Names doing the rounds include:

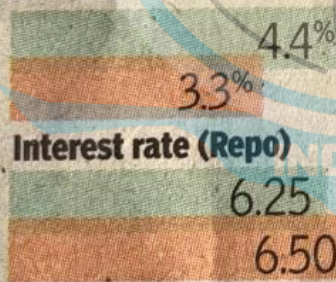
- **Subir Gokarn**, executive director, IMF
- **S C Garg**, secy, eco affairs
- **Rajiv Kumar**, secy, financial services

HOW ECONOMY CHANGED DURING URJIT'S TERM

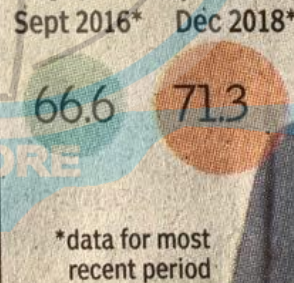
GDP growth rate



Inflation rate



Rupee Vs Dollar



Interest rate (Repo)



*data for most recent period



He (Patel) steered the banking system from chaos to order and ensured discipline. Under his leadership, the RBI brought financial stability

—PM Modi

WHAT THEY GOT RIGHT & WRONG

<p>✔ Kept inflation under control within targetted range (about 4%)</p>	<p>✔ RBI</p>	<p>✔ Govt</p>	<p>✔ Introduced bankruptcy law and put in place insolvency process</p>
<p>✔ Went the whole hog on clean-up of bank books</p>			<p>✔ Set up MPC – an institutionalised process for setting rates</p>
<p>✔ Pushed for better governance in private and PSU banks</p>			<p>✔ Left exchange rate management to RBI</p>
<p>✔ Did not cede regulatory independence</p>			<p>✔ Stuck to targets on fiscal discipline</p>
<p>✘ Turned half of PSBs into narrow banks through PCA lending restrictions</p>	<p>✘ RBI</p>	<p>✘ Govt</p>	<p>✘ Rejigged RBI board to suit agenda</p>
<p>✘ Allowed bond yields to soar past 8%, adding to bank losses and pushing up borrowing cost for government</p>			<p>✘ Pressurised RBI to release 'surplus' funds</p>
<p>✘ Went public on differences with government</p>			<p>✘ Invoked Section 7 to get RBI to do its bidding</p>
<p>✘ Did not communicate enough</p>			<p>✘ Publicly attacked RBI</p>

STATEMENT BY GOVERNOR

“ On account of personal reasons, I have decided to step down from my current position effective immediately. It has been my privilege and honour to serve in the Reserve Bank of India in various capacities over the years. The support and hard work of RBI staff, officers and management has been the proximate driver of the bank's considerable accomplishments in recent years. I take this opportunity to express gratitude to my colleagues and directors of the RBI central board, and wish them all the best for the future.

Urjit R Patel
Dec 10, 2018